स्थापना दिवस की तैयारियां शुरू

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड इस वर्ष अपनी स्थापना का एक दशक पूरा कर रहा है। एक मार्च को इसकी स्थापना के दस वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसको लेकर आयोजनों की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय अपने दशक समारोह के तहत खेलकूद और सांस्कृतिक आयोजनों के अलावा झारखंड की 32 जनजातीयों को एक मंच पर भी लाने जा रहा है।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को न्यौता भेजा जा चुका है, जिसपर उनकी स्वीकृति मिलनी बाकी है। साथ ही, इसमें मुख्यमंत्री रघुवर दास, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, यूजीसी के चेयरमैन हिस्सा लेंगे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे 26 विभाग

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में 2500 छात्र-छात्राएं व 96 स्थायी शिक्षक हैं। वर्ष 2018 में यहां हिन्दी व कंप्यूटर साइंस में पीजी व पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इस सत्र से एक नया पाठ्यक्रम ट्रांसपोर्ट एंड साइंस डिपार्टमेंट खुलने जा रहा है।

इसके अलावा झारखंड व बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपति भी इसका हिस्सा बनेंगे।

दशक समारोह के तहत पहला आयोजन- स्पोर्ट्स डे है, जो 26- 28 फरवरी तक चलेगा। इसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। एक मार्च को दशक समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिनमें स्थानीय कलाकारों को सुना जा सकेगा। साथ ही, पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव व राष्ट्रीय युवा महोत्सव में पुरस्कार पानेवाले छात्रों व खेल उत्सव के विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

इसी कड़ी में तीन दिवसीय 'बिरसा मुंडा लैंग्वेज एंड कल्चर फेस्टिवल' का आयोजन11-13 मार्च किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के लुप्तप्राय भाषा केंद्र (सेंटर फॉर एंडेंजर लैंग्वेजेज) की ओर से यह अपनी तरह का पहला आयोजन होगा, जिसमें झारखंड की सभी 32 जनजातियां एक मंच पर जुटेंगी।

विशेष रूप से लुप्तप्राय जनजातियों के लोग इसमें अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसमें देशभर के जनजातीय कलाकार जुट रहे हैं।